पत्रिका
रायपुर
मंगलवार, 13 फरवरी 2018

व्याख्यानमाला में सांख्यिकी की आवश्यकता और महत्व को बताया

रायपुर ● सांख्यिकी अध्ययन शाला में सोमवार को 4 बजे उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान में सांख्यिकी की आवश्यकता एवं महत्व पर एक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है।

रोल ऑफ स्टेटिक्स इन एकेडमिक रिसर्च विषय पर सांख्यिकी विद् इस व्याख्यान में प्रो. एसपी काणे, कुलपति, आरटीएम विश्वविद्यालय नागपुर द्वारा एक व्याख्यान हुआ। इस व्याख्यान में मुख्यतः उच्च-शिक्षा एवं अनुसंधान में सरकारी विभागों में, सांख्यिकीय एवं आर्थिक नीतियों के नियोजन में हो रहे प्रत्येक वित्तीय वर्ष में देश की जनता की बजट बनाने आदि में सांख्यिकी की आवश्यकता महत्व एवं उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस व्याख्यान में सांख्यिकीविद् द्वारा प्राप्त आंकड़ों के आधार पर किस प्रकार महत्वपूर्ण निर्णय पर पहुंचा जा सकता है, यह भी चर्चा हुई। अतः सांख्यिकी एक विज्ञान कला है जिसमें किसी अनुसंधान क्षेत्र से संबंधित तथा विविध कारणों द्वारा प्रभावित, सामूहिक संख्यात्मक तथ्यों के संकलन, प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण तथा निर्वाचन की रीतियों से अनिष्चितता के मध्य विवेकपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं।

पत्रिका

रायपुर
मंगलवार, 13 फरवरी 2018

इस योजना से बिना प्रोसेसिंग फीस के विद्यार्थियों को दिया जाता है एजुकेशन लोन

यूजीसी के सर्कुलर के बावजूद रविवि की वेबसाइट पर विद्यालक्ष्मी योजना की कोई जानकारी नहीं

XPOSE रिपोर्टर
xpose.raipur@epatrika.com

छात्रहित में चलाई जा रही योजनाओं के प्रचार प्रसार में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय प्रशासन कोई खास रूचि नहीं दिखा रहा है। केंद्र सरकार की ओर से संचालित की जा रही विद्यालक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन तो दूर इसके प्रचार प्रसार में भी विवि प्रबंधन कोई खास रूचि नहीं दिखा रहा है। यूजीसी ने अपनी गाइड लाइन में स्पष्ट किया था कि, इस योजना से संबद्ध पोर्टल संस्थान की वेबसाइट में होमपेज पर निश्चित रूप से होना चाहिए। इस योजना के 2 साल हो जाने के बावजूद विवि प्रबंधन ने अब तक इस पोर्टल को होमपेज पर लिंक नहीं किया है। यह पोर्टल मिनिस्ट्री ऑफ फायनेंस, मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट व इंडियन एसोसिएशन की गाइडलाइन पर संचालित की जाएगी।

शैक्षणिक संस्थानों की वेबसाइट पर होगी जानकारी

यूजीसी ने बकायदा सर्कुलर जारी कर देशभर के सभी कालेजों,विवि, हायर सेकंडरी एजुकेशन संस्थाओं को स्वयं की वेबसाइट के होमपेज पर इस पोर्टल के लिंक को जोड़ने को कहा था। साथ ही इसमें स्टूडेंट्स की डिटेल भी एड करनी होगी, जिससे लोन देने से पहले क्रास चेक कर संबंधित बैंक एजुकेशन लोन जारी कर सकेंगे।

कम आय वाले परिवारों के लिए वरदान है यह योजना

यह योजना उच्च शिक्षा के लिए कम आय वाले परिवार से आने वाले बच्चों के दृष्टिकोण से वरदान है। इसमें बिना किसी प्रोसेसिंग फीस के विद्यार्थियों को उनकी जरूरत के अनुसार लोन मिल जाएगा। साथ ही लोन के लिए इधर-उधर भटकना पड़ेगा। इसमें 81 प्रकार की स्कीमें जिससे विद्यार्थी के लिए उपयोगी स्कीम उसके मोबाइल पर या ईमेल पर आ जाएगी।

इस योजना से संबंधित पोर्टल को विवि की होमपेज पर अपडेट करने के लिए गाइडलाइन तो है, पर तकनीकी समस्या की वजह से यह अब तक नहीं किया जा सका है। कल ही इसकी जानकारी लेकर हम इसे अपडेट कराते हैं।

डॉ संदीप वानसुत्रे,
रजिस्ट्रार, रविवि

ये संस्थान हैं शामिल

- पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी
- मैट्स विश्वविद्यालय
- कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय
- कलिंगा विश्वविद्यालय
- आईटीएम विश्वविद्यालय
- इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
- हिदायतुल्ला नेशनल लॉ विश्वविद्यालय
- आयुष एंड हेल्थ साइंस विश्वविद्यालय
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस
- एमिटी विश्वविद्यालय